तेरे दर पे शीश झुकाऊ

मेरे श्याम बाबा मिलो एक बार,
बिन कुछ ना तेरे नाम के,
आके मुझे दर्श दो एक बार,
मैं बुलाऊं तुझे सांवरे,
मेरे श्याम बाबा मिलो एक बार,
बिन कुछ ना तेरे नाम के,
आके मुझे दर्श दो एक बार,
मैं बुलाऊं तुझे सांवरे.....

तेरे दर पे आऊं, मैं शीश झुकाऊं,
तू कर दे कृपा, मैं तेरी महिमा गाऊं,
मुझ को लगा लो, गले एक बार,
मैं बुलाऊं तुझे संवारे,
मेरे श्याम बाबा मिलो एक बार,
बिन कुछ ना तेरे नाम के,
आके मुझे दर्श दो एक बार,
मैं बुलाऊं तुझे सांवरे.....

कहती है दुनिया, जो खाटू में आये,
वही श्याम तेरा, ही सेवक कहाये,
मुझे अपना सेवक, बना एक बार,
मैं बुलाऊं तुझे सांवरे,
मेरे श्याम बाबा मिलो एक बार,
बिन कुछ ना तेरे नाम के,
आके मुझे दर्श दो एक बार,
मैं बुलाऊं तुझे सांवरे.....

ओ शीश के दानी, मेरे खाटू वाले,
मैंने किया मुझ को, तेरे हवाले,
क्या मुझको मिलेगी, कृपा एक बार,
मैं बुलाऊं तुझे सांवरे,
मेरे श्याम बाबा मिलो एक बार,
बिन कुछ ना तेरे नाम के,
आके मुझे दर्श दो एक बार,
मैं बुलाऊं तुझे सांवरे.....

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/30002/title/tere-dar-pe-sheesh-jhukau

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |